पाठ 12

भारत में कृषि

कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है | भारत में लगभग 70% लोग कृषि पर निर्भर हैं | कृषि हमारी जरुरतों को पूरा करने के साथ ही कृषि आधारित उद्योगों के लिए कच्चे माल का स्त्रोत है|

भारत में भौतिक विविधता के साथ साथ सिंचाई के साधन, मशीनरी का उपयोग, बीज किस्म, कीटनाशकों के आधार पर अलग - अलग प्रकार की खेती की जाती है |

भारत में खेती के प्रकार :-

1 निर्वाह कृषि :- इस प्रकार की खेती में किसान खुद के उपयोग के लिए खेती करते हैं | इसमें किसान ज्यादातर अनाज के साथ तिलहन, दाल और सब्जियां उगाते हैं |

वाणिज्यिक कृषि खेती :- इसमें उत्पादन का अधिकतर भाग धन प्राप्ति के लिए बाजार में बेचा जाता है व भारत के विभिन्न भागों में उगाई जाने वाली इस प्रकार की फसलों में कपास, जूट, गन्ना व चावल हैं |

2. गहन व विस्तृत कृषि :- जब हम खेती के लिए देश के बड़े क्षेत्र का उपयोग करे तो विस्तृत कृषि कहलाती है | परन्तु इस प्रकार की कृषि में प्रति इकाई भूमि उत्पादन कम होता है |

3. वृक्षारोपण खेती :- यह एक बागानी खेती भी कहलाती है | इसमें फसल को बिक्री के लिए उगाया जाता है, जैसे चाय, कॉफी,केला और मसाले आदि |

4. मिश्रित कृषि :- इस प्रकार की खेती में फसलों को उगाने के साथ-साथ पशुपालन भी किया जाता है | इसमें किसान आर्थिक रूप से दूसरी खेती की तुलना में बेहतर होता है |

भारतीय कृषि की विशेषताएँ :-

निर्वाह कृषि

कृषि पर जनसंख्या का दबाव अर्थात जनसंख्या का लगभग 70% भाग कृषि पर निर्भर है |

खेती का मशीनीकरण

मानसून पर निर्भरता

भारत की प्रमुख फसलें या फसलों के प्रकार :-

खाद्य फसले :- वे फसलें जिनका उपयोग मानव अपने लिए उपभोग करता हैं | जैसे :- चावल, गेहूँ, मक्का, बाजरा और दालें |

नकदी फसलें :- ये फसलें बाजार में बेचने हेतु उगायी जाती हैं | जैसे - कपास, जूट, गन्ना, तम्बाकू, तिलहन आदि |

वृक्षारोपण फसलें :- ये फसलें वृक्षारोपण के द्वारा बड़े क्षेत्र पर उगाई जाती हैं | जैसे :-चाय, कॉफी, नारियल आदि |

बागवानी फसलें :- कृषि का वह भाग जिसमें फल व सब्जियां उगाई जाती है

१ खाद्य फसल :- निम्न सारणी ध्यानपूर्वक देखें :-

चावल

गेहूँ

बाजरा

चना

तापमान

22 से 32° c

12 से 25° c

27 से 32°c

20 से 25° c

वर्षा

150 से 300 सेमी.

100 सेमी.

50 से 100 सेमी.

40 से 45 सेमी.

मृदा

गहरी चिकनी बलुई मिट्टी

दोमट व् चिकनी

जलोढ़ या चिकनी मिट्टी

चिकनी बलुई मिट्टी

श्रम

सस्ते श्रमिक

कम श्रम

– —– –

__-__________

वितरण क्षेत्र

तमिलनाडु , गुजरात, उत्तरप्रदेश, कर्णाटक, महाराष्ट्र आदि

उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात

तमिल नाडू, गुजरात, राजस्थान,कर्णाटक,हरियाणा, पंजाब

मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा,महाराष्ट्र

वृक्षारोपण

चाय

कॉफी

तापमान

20 से 30˚cके बीच

15 28˚c

वर्षा

150 300˚ c सेमी.

150 250˚c सेमी.

मुद्रा

गहरी मुरमुरी चिकनी बलुई (हुमस व् लोह युक्त मृदा)

चिकनी बलुई मिट्टी

श्रम

सस्ते व् कुशल मजदुर

सस्ते व् कुशल श्रमिक

वितरण क्षेत्र

असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु आदि क्षेत्र

कर्नाटक, केरल तमिलनाडु आदि

भारतीय कृषि के सामने चुनौतियाँ :-

प्रमुख फसलों के उत्पादन व जनसंख्या अनुपात में बढता अंतर

- खेत निवेश की उच्च लागत
- मृदा उर्वरकता का हास
- भूमिगत जल की कमी
- खाद्य सुरक्षा
- नकदी फसलें

गन्ना

कपास

मूंगफली

तापमान

21 से 27°

21 से 30°c

20 से 30°c

वर्षा

75 से 150 सेमी.

50-100 सेमी.

50 से 75 सेमी.

मिट्टी

गहरी चिकनी बलुई मिट्टी

काली मिट्टी या जलोढ़ मिट्टी

दोमट लाल पीली और काली मिट्टी

श्रम

सस्ते श्रम की आवश्यकता

सस्ते व कुशल मजदुर

वितरण क्षेत्र

भारत ब्राजील के बाद दूसरा बड़ा उत्पादक देश

भारत चीन एव सयुक्त राज्य अमेरिका के बाद तीसरा बड़ा उत्पादक देश

आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु,गुजरात